

जना स्मील फाइनर्स बैंक (एक अनुसूचित वित्तीयक बैंक)					पंजीकृत कार्यालय --> द केपवरे, पू एवं प्रमन तल, सर्वे नं 10/1, 11/2 एवं 12/2बी, ऑफ कोमपुर, कोरगेमल हगर रिंग रोड, ईवीएल बिजनेस पार्क के समीप, चन्नायलूर, बैंगलोर-- 560071, क्षेत्रीय शाखा कार्यालय --> 16/12, द्वितीय तल, डब्ल्यूईई, कार्य सम्राज मार्ग, कपिल बाग, दिल्ली-- 110005				
सरमोएंसि अधिवितियम 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत गौन सूचना									
जाबकी अपा अर्को निम्नलिखिता कारकालांकी, सह-कारकालांकी, गारंटेरी तथा काककालांकी नै जना स्मील फाइनर्स बैंक लिमिटेड से अपनी अक्ल संश्लिषी को काक रखवत ऋण प्राप्ति के। अपा हमी के द्वारा की गयी चुक के परिचयमवरुप, अपको ऋण खाता को अतिभाषानीय परिपणित के रूप में वगीकृत कर दिया गया है, जबकि जना स्मील फाइनर्स बैंक लिमिटेड ने अतिविषय के अंतर्गत एक प्रतीभूत ऋणदाता के रूप में, तथा प्रतिभूति क्षित (प्रवर्तन) निगमावली 2002 के नियम 2 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अंतर्गत प्रवत इतिषीय के प्रयोगातीत, मौन सूचना विगत की थी, जिसमें निम्न सार सं. 2 में वर्णितानुसार उपायकर्ता / सह-उपायकर्ता / गारंटर / कंककलार्की को, सूचनाओं में अतिगत राशि का राशि पर अकसित भावी ब्याज के साथ, सूचना की 60 दिवसी के अंतर प्रतिभूतगत करने को बड़ा गक था, परंतु विभिन्न कारणों से उनमें से कुछ को सूचनायें लंबे / प्राप्ता नहीं हो पायीं।									
क्र. सं.	उपायकर्ता / सह-उपायकर्ता / गारंटर / कंककलार्की के नाम	ऋण खाता सं. एवं राशि राशि	प्रवर्तित की जानेवाली प्रतिभूति के विवरण	एनएच की तिथि एवं गौन सूचना तिथि	देवचरि च. नं. / के अनुसार				
1.	1) मैसर्स ईंस्वर, प्रोप्राइटर गायत्री बुक कंपनी, 2) श्रीमती ईंस्वर शिंदी (अनुपस्थिती), 3) श्रीमती सविता देवी (गारंटर)	ऋण खाता संख्या : 4523440000312 ऋण राशि : ₹. 6,20,000/-	अनुसूची--11 : सुदृष्टिगत परिचयपत्रियों की विवरण -- भाग--ए -- गिरिडी रुठी गई चल करिस्तपिता : कंपनी के व्यवसायिक परिवार, अर्थात् मैसर्स ईंस्वर, प्रोप्राइटर गायत्री बुड बस्ने, मकान संख्या 612, गली संख्या 1, गायड नगर, रेवाडी, हरियाणा--123401 में स्थित सभी कच्चे माल और बहीखातों में दर्ज स्टॉक और प्राप्य और बहीखातों में दर्ज ऋणों पर प्रभम प्रभार। भाग--बी : गिरिडी रुठी अक्ल संघति -- अनुसूची संघति : मुदितल संख्या 81, विस्तार संख्या 15/2/2 की विस्तार संख्या 1/2 भाग 0-4 मरला बकरा 0-2 मरला गायी 67 बने बाग, मौला देवी (पापक माल), लहरील एवं जिला रेवाडी में स्थिता। श्री ईंस्वर पुत्र श्री रीहलात को स्वामित्व में। सीमाई (पापक प्रकार है - पुं- रेवात, पश्चिम- श्री रजनाबा की संघति, उत्तर-- श्री लखनार की संघति, दक्षिण-- श्री सातनमयणी की संघति	एनएच की तिथि : 01.02.2026 गौन सूचना की तिथि : 11-02-2026	च. 3.31.683.73 (गौप्ये तनी के अनुसार) इकसित हजार छह सौ पचास रुपया अठारह पैसे के अनुसार				

अतः उपरोक्त सं. २ में वर्णितानुसार उपायकर्ता / सह-उपायकर्ता / गारंटर एवं कंककलार्की को सूचित किया जाता है और उन्हें निर्देश दिये जाता है कि वे इस सूचना के प्रकाशन के ६० दिवसों के अंतर समस्त संबंधित उपायकर्ताओं / सह-उपायकर्ताओं के समक्ष उपरोक्त सं. २ में निर्दिष्टानुसार कुल राशि का भुगतान करें, क्योंकि उक्त राशि को उपरोक्त सं. २ में निर्दिष्ट स्थिति के अनुसार संबंधित ऋण खाता के संबंध में भुगतानयोग्य बना गया है। यह स्पष्ट किया जाता है कि यदि भुगतान की क्षिति तक भुगतानयोग्य कुल राशि का पूर्ण ब्याज एवं अन्य राशिओं के साथ भुगतान नहीं किया जाता है तो जमा प्रभम अक्षय्य बैंक लिमिटेड अनुसूचित सं. ४ में विवरणानुसार संश्लिषी पर प्रतिभूति क्षित के प्रवर्तन हेतु अतिव कार्यावाही करने को कम्पनीयता होगी। कृपया ध्यान दें कि यह प्रकाशन, विभिन्न-व्यवस्था (ली) के अंतर्गत उक्त कार्यवाहिकता के उपायकर्ता / सह-उपायकर्ता / गारंटर / कंककलार्की के विरुद्ध जमा रखेब बकनेले बैंक लिमिटेड के साथ उदरम्य ऐसे उपकर्ता के पुनर्बल के विषय प्रकाशित किया जा रहा है। अपने आप दिनां की जाती है कि इस दिग्द पर ध्यान लगाये कि उक्त अधिनियम की धारा 13(२) के अनुसार, आप पर प्रतिभू/विषय लगाया जाता है कि आप इतिभूत ऋणदाता की पूर्ण राशिओं के विम उपरोक्त प्रतिभूति का निराकरण या संतुष्टिकर नहीं कर सके अतः प्रतिभूत परिवर्तित का विषय, पठतो के ककम से अत्या अलगा हलफांतर नहीं कर सकते।

दिनांक : 2६-02-202६, स्थान : दिल्ली एलासीअर	हस्ता /—, प्राधिकृत अधिकारी, कृी खात दर्तात परवर्तन बैंक लिमिटेड
---	--

प्रपत्र नं. 14 [विनियम –33(२) देखें] वसूली अधिकारी कार्यालय – 1/।। ऋण वसूली न्यायाधिकरण दिल्ली (डीआरटी–I) चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग संसद मार्ग, नई दिल्ली–11०००1 डिमांड नोटिस ऋण वसूली और दिवालियापान अधिनियम, 19९3 की धारा 25 से 28 और आयकर अधिनियम, 1९६1 की द्वितीय अनुसूची के नियम 2 के तहत नोटिस। आरसी /५2९ /202५	
भारतीय स्टेट बैंक	
बनाम	
श्री प्रवीण	
सेवा में,	
(सीडी 1) श्री प्रवीण पुत्र रवि, कमरा नंबर 1०, डीवर्स्ट हॉस्टल, सकदरगंज अस्पताल, नई दिल्ली–11०02३। इसके अलावा: परामर्श कक्ष संख्या 2, खेल चोट केंद्र, सफदरगंज अस्पताल, नई दिल्ली 11००23। इसके अलावा: ई–27८, कल्याण नगर, पेरानाबलूर, तमिलनाडु–611212।	
(सीडी 2) मैसर्स रॉयल ग्लोबल अर्थवॉर्कन प्राइवेट लिमिटेड, सेक्टर 1०7, गिवाड़ी, राजस्थान 3०17०7। इसके अलावा: डी–211, वसंत प्लाजा कॉम्प्लेक्स, सबवे के पास, मुनीरक, नई दिल्ली–11००६7।	
यह सूचित किया जाता है कि ऋण वसूली न्यायाधिकरण, दिल्ली (डीआरटी 1) के पीठासीन अधिकारी द्वारा टीए / 1०5९ / 2023 में पारित आदेशों के अनुसार मैं जारी वसूली प्रमाण पत्र के अनुसार, २४ /०८/२०२५ से वसूली तक तत्पित और मविथ के ब्याज ९।1०% मासिक चक्रवृद्धि ब्याज सहित रुपये ४६45६25.53 की राशि और रुपये 340०० (केसल चौदस हजार रुपये मात्र) का खर्च आपके (संयुक्त रूप से और अलग-अलग /पूर्ण रूप से/सीमित) के विरुद्ध देय हो गया है।	
2. इस नोटिस के माध्यम से आपको नोटिस प्राप्ति के 1५ दिनों के भीतर उपरोक्त राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया गया है। ऐसा न करने पर बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं को शोथ ऋण वसूली अधिनियम, 1९९3 और उसके अधीन नियमों के प्रावधानों के अनुसार वसूली की जाएगी।	
3. आपको सुनवाई की अगली तारीख को या उससे पहले एक हलफनामे पर अपनी संपत्ति का विवरण घोषित करने का आदेश दिया जाता है।	
4. आपको आदेश दिया जाता है कि दिनांक ०2.०4.2०2६ को प्रातः 1०:3० बजे अयोहस्ताक्षरी के समक्ष आगे की कार्यवाही हेतु उपस्थित हो।	
5. उपरोक्त राशि के अतिरिक्त, आप भुगतान करने के लिए भी उत्तरदायी होंगे: (क) इस तरह के ब्याज के रूप में प्रमाण पत्र / निष्पादन कार्यवाही की इस सूचना के तुरंत बाद शुरू होने वाली अवधि के लिए देय है। (ख) इस नोटिस और वारंट और अन्य प्रक्रियाओं और देय राशि की वसूली के लिए की गई अन्य सभी प्रक्रियाओं की तामील के संबंध में किए गए सभी लागत, शुल्क और व्यय। मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण की मोहर के तहत दिनांक 2८.०1.2०26 को दिया गया।	हस्ता /— निरंजन शर्मा वसूली अधिकारी—।। ऋण वसूली अधिकरण दिल्ली (डीआरटी–I)

प्रपत्र नं. 14 [विनियम –33(२) देखें] वसूली अधिकारी कार्यालय –1/।। ऋण वसूली न्यायाधिकरण दिल्ली (डीआरटी–1) चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग संसद मार्ग, नई दिल्ली–11०००1 डिमांड नोटिस ऋण वसूली और दिवालियापान अधिनियम, 1९९3 की धारा 25 से 28 और आयकर अधिनियम, 1९६1 की द्वितीय अनुसूची के नियम 2 के तहत नोटिस। आरसी /4६८ /202५	
भारतीय स्टेट बैंक	
बनाम	
प्रवीण	
सेवा में,	
(सीडी 1) प्रवीण पुत्र रवि, कमरा नंबर 1०, डीवर्स्ट हॉस्टल, सकदरगंज अस्पताल, नई दिल्ली–11०023। इसके अलावा: एफ–27८, कल्याण नगर, पेरामबलूर, तमिलनाडु – 611212। इसके अलावा: परामर्श कक्ष संख्या 2, खेल चोट केंद्र, सफदरगंज अस्पताल, नई दिल्ली–11००23।	
यह सूचित किया जाता है कि पीठासीन अधिकारी, ऋण वसूली न्यायाधिकरण दिल्ली (डीआरटी 1) द्वारा टीए /24 /2०24 में पारित आदेशों के अनुसार मैं जारी किए गए वसूली प्रमाण पत्र के अनुसार, सं. ४7६1454.23 की राशि, बकाया और मविथ के ब्याज सहित 1९/०7 /2०21 से वसूली तक @9.1०% चक्रवृद्धि मासिक ब्याज और रुपये 35०००। – (पितसि हजार रुपये मात्र) की लागत आपके विरुद्ध देय हो गई है संयुक्त रूप से और अलग-अलग /पूरी तरह से सीमित हो गई है।	
2. इस नोटिस के माध्यम से आपको नोटिस प्राप्ति के 1५ दिनों के भीतर उपरोक्त राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया गया है। ऐसा न करने पर बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं को शोथ ऋण वसूली अधिनियम, 1९९3 और उसके अधीन नियमों के प्रावधानों के अनुसार वसूली की जाएगी।	
3. आपको सुनवाई की अगली तारीख को या उससे पहले एक हलफनामे पर अपनी संपत्ति का विवरण घोषित करने का आदेश दिया जाता है।	
4. आपको आदेश दिया जाता है कि दिनांक ०7.०3.2०2६ को प्रातः 1०:3० बजे अपोहस्ताक्षरी के समक्ष आगे की कार्यवाही हेतु उपस्थित हो।	
5. उपरोक्त राशि के अतिरिक्त, आप भुगतान करने के लिए भी उत्तरदायी होंगे: (क) इस तरह के ब्याज के रूप में प्रमाण पत्र / निष्पादन कार्यवाही की इस सूचना के तुरंत बाद शुरू होने वाली अवधि के लिए देय है। (ख) इस नोटिस और वारंट और अन्य प्रक्रियाओं और देय राशि की वसूली के लिए की गई अन्य सभी प्रक्रियाओं की तामील के संबंध में किए गए सभी लागत, शुल्क और व्यय। मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण की मोहर के तहत दिनांक 22.12.2०2६ को दिया गया।	हस्ता /— रविंद्र कुमार रोमर वसूली अधिकारी—।। ऋण वसूली अधिकरण दिल्ली (डीआरटी–I)

प्रपत्र नं. 14 [विनियम –33(२) देखें] वसूली अधिकारी कार्यालय –1/।। ऋण वसूली न्यायाधिकरण चंडीगढ़ (डीआरटी–2) पहली मंजिल, एससीओ 33–34–3५, सेक्टर–17 ए, चंडीगढ़ (तीसरी और चौथी मंजिल पर भी अतिरिक्त स्थान आवंटित है) डिमांड नोटिस ऋण वसूली और दिवालियापान अधिनियम, 1९९3 की धारा 25 से 28 और आयकर अधिनियम, 1९६1 की द्वितीय अनुसूची के नियम 2 के तहत नोटिस। आरसी /142८ /202५	
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	
बनाम	
श्री. दया राम	
सेवा में,	
(सीडी 1) श्री. दया राम पुत्र श्री. लेले राम निवासी 21, गांव बिहारहेड़ी रेहना, तहसील पटौटी, जिला गुडगांव, हरियाणा	
(सीडी 2) श्री. जसवंत प्रेम पुत्र श्री. जुगलाल, निवासी बिहारहेड़ी रेहना, रू, जसरात, तहसील पटौटी, जिला गुडगांव, हरियाणा	
यह सूचित किया जाता है कि पीठासीन अधिकारी, ऋण वसूली न्यायाधिकरण चंडीगढ़ (डीआरटी 2) द्वारा OA/81०/2०18 में पारित आदेशों के अनुसार मैं जारी वसूली प्रमाण पत्र के अनुसार, 24 /०4 /2०1८ से वसूली तक @11.2६% की चक्रवृद्धि ब्याज दर के साथ अतिव कार्यावाही के ब्याज सहित रुपये१६८९९1९ (षोहर लाख नवारी हजार आठ सौ उनीस रुपये मात्र) और 1९००5 रुपये (उनीस हजार पांच रुपये मात्र) का खर्च आपके (संयुक्त रूप से और अलग-अलग /पूर्ण रूप से/सीमित) विरुद्ध देय हो गया है।	
2. इस नोटिस के माध्यम से आपको नोटिस प्राप्ति के 1५ दिनों के भीतर उपरोक्त राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया गया है। ऐसा न करने पर बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं को शोथ ऋण वसूली अधिनियम, 1९९3 और उसके अधीन नियमों के प्रावधानों के अनुसार वसूली की जाएगी।	
3. आपको सुनवाई की अगली तारीख को या उससे पहले एक हलफनामे पर अपनी संपत्ति का विवरण घोषित करने का आदेश दिया जाता है।	
4. आपको आदेश दिया जाता है कि दिनांक 1६.०3.202६ को प्रातः 1०:3० बजे अयोहस्ताक्षरी के समक्ष आगे की कार्यवाही हेतु उपस्थित हो।	
5. उपरोक्त राशि के अतिरिक्त, आप भुगतान करने के लिए भी उत्तरदायी होंगे: (क) इस तरह के ब्याज के रूप में प्रमाण पत्र / निष्पादन कार्यवाही की इस सूचना के तुरंत बाद शुरू होने वाली अवधि के लिए देय है। (ख) इस नोटिस और वारंट और अन्य प्रक्रियाओं और देय राशि की वसूली के लिए की गई अन्य सभी प्रक्रियाओं की तामील के संबंध में किए गए सभी लागत, शुल्क और व्यय। मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण की मोहर के तहत दिनांक 2९.12.2०25 को दिया गया।	हस्ता /— वसूली अधिकारी ऋण वसूली अधिकरण चंडीगढ़ (डीआरटी–2)

प्रपत्र नं. 14 [विनियम –33(२) देखें] वसूली अधिकारी कार्यालय –1/।। ऋण वसूली न्यायाधिकरण चंडीगढ़ (डीआरटी–2) पहली मंजिल, एससीओ 33–34–3५, सेक्टर–17 ए, चंडीगढ़ (तीसरी और चौथी मंजिल पर भी अतिरिक्त स्थान आवंटित है) डिमांड नोटिस ऋण वसूली और दिवालियापान अधिनियम, 1९९3 की धारा 25 से 28 और आयकर अधिनियम, 1९६1 की द्वितीय अनुसूची के नियम 2 के तहत नोटिस। आरसी /142८ /202५	
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	
बनाम	
श्री. ब्रह्म प्रकाश	
सेवा में,	
(सीडी 1) श्री. ब्रह्म प्रकाश पुत्र श्री. रंग सात निवासी गांव कलालपुरी, तहसील टाँरू, जिला मेवात, हरियाणा	
(सीडी 2) श्री. राकेश कुमार पुत्र श्री. कल्याण सिंह निवासी गांव जटौली, हेली मंडी, तहसील पटौटी, जिला गुडगांव, हरियाणा	
यह सूचित किया जाता है कि पीठासीन अधिकारी, ऋण वसूली न्यायाधिकरण चंडीगढ़ (डीआरटी 2) द्वारा OA/4९६9/2०1८ में पारित आदेशों के अनुसार मैं जारी वसूली प्रमाण पत्र के अनुसार, 2८ /०९ /2०17 से वसूली तक @11.६5% मासिक चक्रवृद्धि ब्याज की दर से मुकदमे के दौरान और मविथ के ब्याज सहित रुपये –1०534९५ (दस लाख चत्तरप हजार चार सौ पचास रुपये मात्र) की राशि और रुपये –13००5 (तेरह लाख चत्तरप रुपये मात्र) का खर्च आपके (संयुक्त रूप से और अलग-अलग /पूर्ण रूप से/सीमित) विरुद्ध देय हो गया है।	
2. इस नोटिस के माध्यम से आपको नोटिस प्राप्ति के 1५ दिनों के भीतर उपरोक्त राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया गया है। ऐसा न करने पर बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं को शोथ ऋण वसूली अधिनियम, 1९९3 और उसके अधीन नियमों के प्रावधानों के अनुसार वसूली की जाएगी।	
3. आपको सुनवाई की अगली तारीख को या उससे पहले एक हलफनामे पर अपनी संपत्ति का विवरण घोषित करने का आदेश दिया जाता है।	
4. आपको आदेश दिया जाता है कि दिनांक 2०.०3.2०2६ को प्रातः 1०:3० बजे अयोहस्ताक्षरी के समक्ष आगे की कार्यवाही हेतु उपस्थित हो।	
5. उपरोक्त राशि के अतिरिक्त, आप भुगतान करने के लिए भी उत्तरदायी होंगे: (क) इस तरह के ब्याज के रूप में प्रमाण पत्र / निष्पादन कार्यवाही की इस सूचना के तुरंत बाद शुरू होने वाली अवधि के लिए देय है। (ख) इस नोटिस और वारंट और अन्य प्रक्रियाओं और देय राशि की वसूली के लिए की गई अन्य सभी प्रक्रियाओं की तामील के संबंध में किए गए सभी लागत, शुल्क और व्यय। मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण की मोहर के तहत दिनांक 14.०1.2०26 को दिया गया।	हस्ता /— वसूली अधिकारी ऋण वसूली अधिकरण चंडीगढ़ (डीआरटी–2)

प्रपत्र नं. 26 [विनियम –33(२) देखें] वसूली अधिकारी कार्यालय –1/।। ऋण वसूली न्यायाधिकरण चंडीगढ़ (डीआरटी–2) पहली मंजिल, एससीओ 33–34–3५, सेक्टर–17 ए, चंडीगढ़ (तीसरी और चौथी मंजिल पर भी अतिरिक्त स्थान आवंटित है) डिमांड नोटिस ऋण वसूली और दिवालियापान अधिनियम, 1९९3 की धारा 25 से 28 और आयकर अधिनियम, 1९६1 की दूसरी अनुसूची के नियम 53 के तहत विधि घोषणा के नियमन हेतु सूचना, ऋण वसूली एवं दिवालियापान अधिनियम, 1९९3 के साथ पठित। Exh. No.: 455 1५.12.2०2५	
सुनियन बैंक ऑफ इंडिया बनाम श्री सतबीर सिंह एस /ओ	
सेवा में,	
(सीडी 1) श्री सतबीर सिंह एस /ओ, निवासी गांव जावे, तहसील फारुखनगर जिला – (सीडी 2) बद्याराम उर्फ दयानंद की पत्नी सुरेश देवी, गांव चकपुरत, तहसील और जिला गुडगांव हरियाणा की निवासी। –	
जाबकी उक्त राशि का भुगतान नहीं किया गया है, अतः अयोहस्ताक्षरी द्वारा नीचे वर्णित कारणों के आधार संपत्ति की बिक्री का आदेश दिया किया गया है।	
2. आपको सूचित किया जाता है कि दिनांक 13/०3/२०२६ को प्रातः 1०:3० बजे बिक्री उपघोषणा तैयार करने तथा उसकी शर्त निर्धारित करने हेतु नियत किया गया है। अपने अनुरोधों के लिए कि उक्त संपत्तियों अथवा उनमें किसी मांग पर यदि कोई संशय, भार, दावा या देवता हो, तो उपरोक्त जानकारी अयोहस्ताक्षरी को अवगत कराए।	
संपत्ति का विवरण	
सूचित किया अनुसार वर्णित है: खेवट संख्या 1३७ एवं 1८६, रैक्टर. संख्या ६०, फैक्ला संख्या 14 (६-०), 1६ मिग जयनू 4 (६-०), 2६ (६-०), 2५ (६-०), रैक्टर. संख्या ६६, फैक्ला संख्या 3 (६-०), 4 (६-०), 5 (६-०), 7 (६-०), 14 (६-०), 1५ (६-०), 1६ (६-11), 17 (६-7), १८ फैक्ला 13, कुल रकमा ९९ कनाल 1८ मरला, जिसका 1/2५ हिस्सा अर्थात ३ कनाल 1९ मरला। खेवट संख्या 1३८, खाली संख्या 1८६, रैक्टर. संख्या ६०, फैक्ला संख्या 17 (६-०), 1८ (६-०), 2३ (६-०), कुल फैक्ला 3, कुल रकमा 24 कनाल, जिसका 1/2५ हिस्सा अर्थात 1९ मरला। तथा खेवट संख्या 1३०, खाली संख्या 1८९, रैक्टर. संख्या ६०, फैक्ला संख्या 3/2 (६-०), खाली संख्या 1९०, रैक्टर. संख्या ६०, फैक्ला संख्या 4 (7-11), 7 (६-०), कुल फैक्ला 2, कुल रकमा 1५ कनाल 11 मरलाय खाली संख्या 1९1, रैक्टर. संख्या ६०, फैक्ला संख्या 1२ (६-०), 1५/1 (7-०), कुल फैक्ला 2, कुल रकमा 1५ कनाल 7 मरलाय तथा खाली संख्या 1९2, रैक्टर. संख्या ६०, फैक्ला संख्या ५ (7-11); कुल फैक्ला ६, कुल रकमा 45 कनाल 1३ मरला, जिसका ६/1९ हिस्सा अर्थात 2 कनाल 1१ मरलाय इस प्रकार कुल 7 कनाल ९ मरला गुंमि, ग्राम जरास, लहरील कर्छक नगर, जिला गुडगांव, जमाबंदी वर्ष 2००९–2०1० के अनुसार। मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण की मोहर के तहत दिनांक 1५.12.2०25 को दिया गया।	हस्ता /— वसूली अधिकारी ऋण वसूली अधिकरण चंडीगढ़ (डीआरटी–2)

प्रॉर्म नं. आईएनसी–2६ [कंपनी (निगमन) नियम, 2०14 के नियम 3० के अनुसार] एक राज्य से दूसरे राज्य में कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के पते में परिवर्तन के लिए समाचार पत्र में प्रकाशित अधिनियम, 2०13 की धारा 13 के अंतर्गत अत्यधिक केन्द्रीय सरकार, क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र निदेशालय–I, नई दिल्ली के समक्ष कंपनी अधिनियम, 2०13 की धारा 13 की उप-धारा (4) और कंपनी (निगमन) नियम, 2०14 के नियम 3० के उप-नियम (5) के तहत (ए) के संक्षेप में और फ्रीडमफॉइट एक्सप्रेसवे प्राइवेट लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय की–9, विभूति खंड, गोमाडी नगर, लखनऊ–22६०1०, उत्तर प्रदेश में स्थित है, के मामलों में ...याधिकारकर्ता एलडार आम जनता को सूचित किया जाता है कि "उत्तर प्रदेश राज्य " से "महाराष्ट्र राज्य" में उसके पंजीकृत कार्यालय को परिवर्तित करने के लिए कंपनी को सक्षम बनाने के लिए पुनर्धार, 1८ फरवरी, 2०2६ को आयोजित असाधारण आमसभ में पारित विशेष प्रस्ताव के अनुसार कंपनी के मैमोरैंडम ऑफ असोसिएशन के परिवर्तन की पुष्टि के अधिकांश अधिनियम, 2०13 की धारा 13 के अंतर्गत अत्यधिक कंपनी केंद्र सरकार के पास आवेदन करने का प्रस्ताव करती है। कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के इस प्रस्तावित परिवर्तन से यदि किसी व्यक्ति का हित प्रभावित होता हो, वे अपनी आपत्ति MCA-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर निदेशक शिकायत फॉर्म भरकर प्रस्तुत कर सकते हैं अथवा इसके नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत कार्यालय में आवेदक कंपनी को उम्मीद एक प्रति के साथ इस सूचना के प्रकाशन को जति से चौदह दिनों के भीतर अपने हित की प्रकृति तथा आवृत्ति के कारणों का उल्लेख करते हुए एक तथ्य पत्र द्वारा समर्पित अपनी आवृत्ति क्षेत्रीय निदेशक के पते: वी-2 विंग, 2 रा तल, पं. दीनदयाल अजीमघ भवन, सीडीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली–11०००3 में जमा करें या जमा कराए या पंजीकृत डाक से भेजें: पंजीकृत कार्यालय का पता : वी-२, विभूति खंड, गोमाडी नगर, लखनऊ-22६०1०, उत्तर प्रदेश फ्रीडमफॉइट एक्सप्रेसवे प्राइवेट लिमिटेड की ओर से और उनके लिए हस्ता /— दिनांक: 25/०2/2०2६ स्थान: लखनऊ निदेशक – DIN : 1०7८1६3६	
--	--

प्रपत्र नं. २६ [विनियम –33(२) देखें] वसूली अधिकारी कार्यालय –1/।। ऋण वसूली न्यायाधिकरण चंडीगढ़ (डीआरटी–2) पहली मंजिल, एससीओ 33–34–3५, सेक्टर–17 ए, चंडीगढ़ (तीसरी और चौथी मंजिल पर भी अतिरिक्त स्थान आवंटित है) डिमांड नोटिस ऋण वसूली और दिवालियापान अधिनियम, 1९९3 की धारा 25 से 28 और आयकर अधिनियम, 1९६1 की दूसरी अनुसूची के नियम 53 के तहत विधि घोषणा के नियमन हेतु सूचना, ऋण वसूली एवं दिवालियापान अधिनियम, 1९९3 के साथ पठित। Exh. No.: 455 1५.12.2०2५	
सुनियन बैंक ऑफ इंडिया बनाम श्री सतबीर सिंह एस /ओ	
सेवा में,	
(सीडी 1) श्री सतबीर सिंह एस /ओ, निवासी गांव जावे, तहसील फारुखनगर जिला – (सीडी 2) बद्याराम उर्फ दयानंद की पत्नी सुरेश देवी, गांव चकपुरत, तहसील और जिला गुडगांव हरियाणा की निवासी। –	
जाबकी उक्त राशि का भुगतान नहीं किया गया है, अतः अयोहस्ताक्षरी द्वारा नीचे वर्णित कारणों के आधार संपत्ति की बिक्री का आदेश दिया किया गया है।	
2. आपको सूचित किया जाता है कि दिनांक 13/०3/२०२६ को प्रातः 1०:3० बजे बिक्री उपघोषणा तैयार करने तथा उसकी शर्त निर्धारित करने हेतु नियत किया गया है। अपने अनुरोधों के लिए कि उक्त संपत्तियों अथवा उनमें किसी मांग पर यदि कोई संशय, भार, दावा या देवता हो, तो उपरोक्त जानकारी अयोहस्ताक्षरी को अवगत कराए।	
संपत्ति का विवरण	
सूचित किया अनुसार वर्णित है: खेवट संख्या 1३७ एवं 1८६, रैक्टर. संख्या ६०, फैक्ला संख्या 14 (६-०), 1६ मिग जयनू 4 (६-०), 2६ (६-०), 25 (६-०), रैक्टर. संख्या ६६, फैक्ला संख्या 3 (६-०), 4 (६-०), 5 (६-०), 7 (६-०), 14 (६-०), 1५ (६-०), 1६ (६-11), 17 (६-7), १८ फैक्ला 13, कुल रकमा ९९ कनाल 1८ मरला, जिसका 1/2५ हिस्सा अर्थात ३ कनाल 1९ मरला। खेवट संख्या 1३८, खाली संख्या 1८६, रैक्टर. संख्या ६०, फैक्ला संख्या 17 (६-०), 1८ (६-०), 2३ (६-०), कुल फैक्ला 3, कुल रकमा 24 कनाल, जिसका 1/2५ हिस्सा अर्थात 1९ मरला। तथा खेवट संख्या 1३०, खाली संख्या 1८९, रैक्टर. संख्या ६०, फैक्ला संख्या 3/2 (६-०), खाली संख्या 1९०, रैक्टर. संख्या ६०, फैक्ला संख्या 4 (7-11), 7 (६-०), कुल फैक्ला 2, कुल रकमा 1५ कनाल 11 मरलाय खाली संख्या 1९1, रैक्टर. संख्या ६०, फैक्ला संख्या 1२ (६-०), 1५/1 (7-०), कुल फैक्ला 2, कुल रकमा 1५ कनाल 7 मरलाय तथा खाली संख्या 1९2, रैक्टर. संख्या ६०, फैक्ला संख्या ५ (7-11); कुल फैक्ला ६, कुल रकमा 45 कनाल 1३ मरला, जिसका ६/1९ हिस्सा अर्थात 2 कनाल 1१ मरलाय इस प्रकार कुल 7 कनाल ९ मरला गुंमि, ग्राम जरास, लहरील कर्छक नगर, जिला गुडगांव, जमाबंदी वर्ष 2००९–2०1० के अनुसार। मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण की मोहर के तहत दिनांक 1५.12.2०25 को दिया गया।	हस्ता /— वसूली अधिकारी ऋण वसूली अधिकरण चंडीगढ़ (डीआरटी–2)

 बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda		
प्रतिभूति खाज (प्रवर्तन) नियमों, 2002 के नियम 6(2) और 8(6) के प्रावधानों के साथ पठित वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनः निर्माण और प्रतिभूति खाज के प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत प्राप्त परिपाम्पत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना। सामान्य जनता को आम तौर पर और कर्जदारों, रेहनकर्ताओं या गारंटरो को विशेष तौर पर एतद्वारा सूचना दी जाती है कि प्रतिभूतित ऋणदाता को बंधितक/प्रभारित अचल संपत्ति, निनका कच्चा बैंक ऑफ बड़ौदा, प्रतिभूतित ऋणदाता के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, उनको बिक्री नीचे वर्णित खाते में देय वसूली के लिए "जैसी है जहां है", "जैसी है जो कुछ है" और "जो कुछ यहां मौजूद है"।		
क्र./लॉट नं.	करंजदार/गारंटर/ रेहनकर्ता का नाम और पता	अचल संपत्ति का सक्षिप्त विवरण यदि कोई ज्ञात देनदारों हो तो भी उल्लेख करें (बैंक ऑफ़ बड़ौदा के नाम पर है।
01	मै. समराशा एम्बायडरी प्रो. अमन ल्यामी पुत्र मुनेश कुमार गारंटर:- श्रीमती सीमा पत्नी श्री मुनेश कुमार और श्री मुनेश कुमार	संपत्ति 1- खेवट नंबर 758/655, खाता नंबर 38/17/28 हरिजन कॉलनी बरही हरियाणा 131001 की संपत्ति श्रीमती सीमा कुमार के नाम पर है।
	संपत्ति 2- खेवट नंबर 759/655, खाता नंबर 38/17/30 हरिजन कॉलनी पटन, हरियाणा 131001 की संपत्ति श्रीमती सीमा पत्नी मुनेश कुमार के नाम पर है।	
02	श्री धीमंद पृथ महवीर	किला नंबर 102/17/1, 18/1 सिंगु बॉर्डर जैदी रोड, कुंडली जिला सीनोपत-131001 संपत्ति।
बिक्री के नियमों और शर्तों की पूरी जानकारी के लिए, कृपया वेबसाइट लिंक https://www.bankofbaroda.in पर संपर्क कर सकते हैं।		
दिनांक: 25.02.2026		